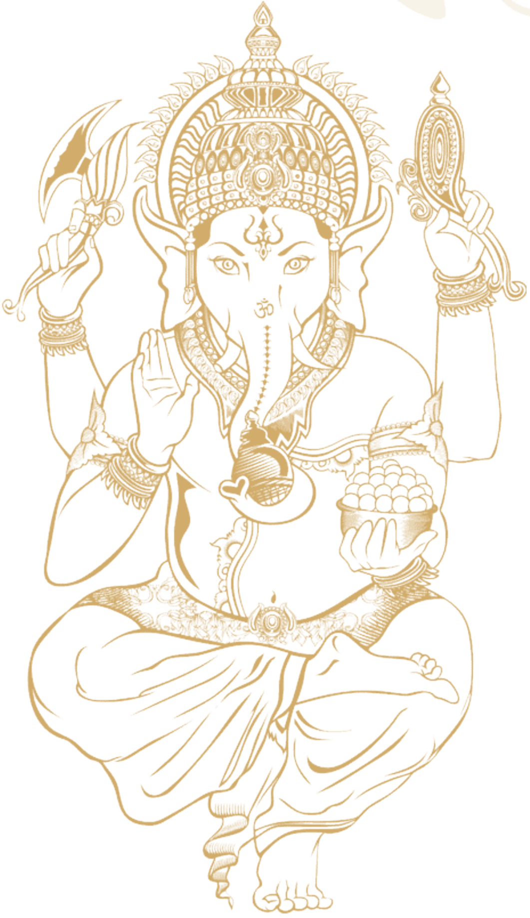

Rishabh

03 Dec 2010

04:22 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 119646102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**2-03/12/2010**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**04:22:00 घंटे**
इष्ट	53:31:51 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	04:00:52 घंटे
वेलान्तर	00:10:41 घंटे
साम्पातिक काल	08:47:32 घंटे
सूर्योदय	06:57:15 घंटे
सूर्यास्त	17:23:44 घंटे
दिनमान	10:26:28 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	16:38:22 वृश्चिक
लग्न के अंश	12:32:49 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**स्वाति - 2**
नक्षत्र स्वामी	राहु
योग	शोभन
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	रे-रेवती
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	12:32:49	310:02:41	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	---
सूर्य			वृश्चिक	16:38:22	01:00:51	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			तुला	10:48:01	14:10:17	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	धनु	02:11:11	00:45:06	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	मित्र राशि
बुध			धनु	07:55:43	00:55:50	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	सम राशि
गुरु			कुंभ	29:49:41	00:02:54	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	चंद्र	सम राशि
शुक्र			तुला	07:17:16	00:29:09	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मूलत्रिकोण
शनि			कन्या	20:43:12	00:05:10	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
राहु	व		धनु	08:51:14	00:03:21	मूल	3	19	गुरु	केतु	गुरु	नीच राशि
केतु	व		मिथु	08:51:14	00:03:21	आर्द्रा	1	6	बुध	राहु	गुरु	नीच राशि
हर्ष	व		मीन	02:39:44	00:00:10	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
नेप			कुंभ	02:05:14	00:00:52	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	केतु	---
प्लूटो			धनु	10:17:23	00:02:01	मूल	4	19	गुरु	केतु	शनि	---
दशम भाव			कर्क	15:26:13	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:00:51

लग्न-चलित

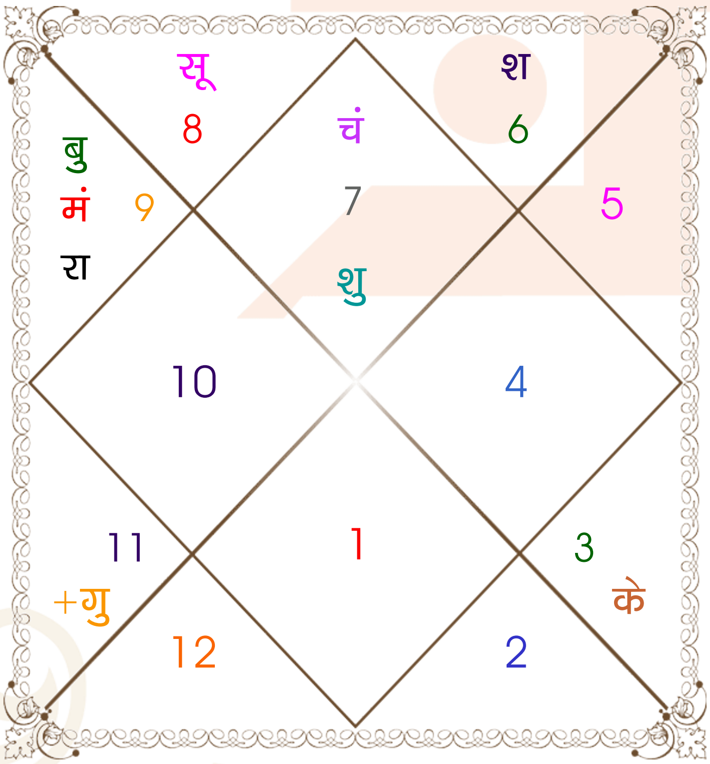

चन्द्र कुंडली

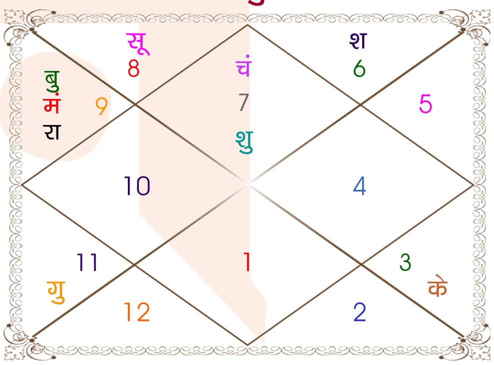

नवमांश कुंडली

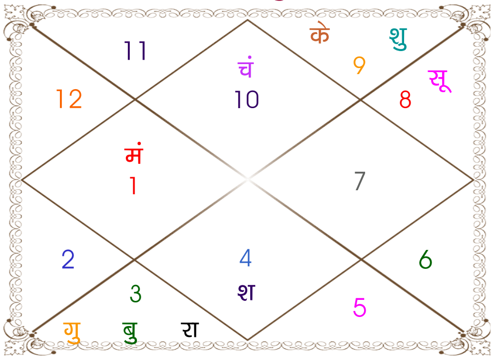

Trikal Jyotish Kendra
Mahavir Enclave
7042079557
saritaram.ram07@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : राहु 12 वर्ष 5 मास 1 दिन

राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष
03/12/2010	05/05/2023	05/05/2039	05/05/2058	05/05/2075
05/05/2023	05/05/2039	05/05/2058	05/05/2075	05/05/2082
00/00/0000	गुरु 22/06/2025	शनि 08/05/2042	बुध 30/09/2060	केतु 01/10/2075
03/12/2010	शनि 04/01/2028	बुध 15/01/2045	केतु 28/09/2061	शुक्र 30/11/2076
शनि 16/04/2013	बुध 10/04/2030	केतु 24/02/2046	शुक्र 28/07/2064	सूर्य 07/04/2077
बुध 04/11/2015	केतु 17/03/2031	शुक्र 25/04/2049	सूर्य 04/06/2065	चंद्र 06/11/2077
केतु 21/11/2016	शुक्र 15/11/2033	सूर्य 07/04/2050	चंद्र 03/11/2066	मंगल 04/04/2078
शुक्र 22/11/2019	सूर्य 04/09/2034	चंद्र 07/11/2051	मंगल 01/11/2067	राहु 23/04/2079
सूर्य 16/10/2020	चंद्र 04/01/2036	मंगल 15/12/2052	राहु 20/05/2070	गुरु 29/03/2080
चंद्र 16/04/2022	मंगल 09/12/2036	राहु 22/10/2055	गुरु 25/08/2072	शनि 08/05/2081
मंगल 05/05/2023	राहु 05/05/2039	गुरु 05/05/2058	शनि 05/05/2075	बुध 05/05/2082

शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष
05/05/2082	06/05/2102	05/05/2108	06/05/2118	06/05/2125
06/05/2102	05/05/2108	06/05/2118	06/05/2125	00/00/0000
शुक्र 03/09/2085	सूर्य 23/08/2102	चंद्र 06/03/2109	मंगल 02/10/2118	राहु 17/01/2128
सूर्य 04/09/2086	चंद्र 22/02/2103	मंगल 05/10/2109	राहु 20/10/2119	गुरु 11/06/2130
चंद्र 04/05/2088	मंगल 30/06/2103	राहु 06/04/2111	गुरु 25/09/2120	शनि 04/12/2130
मंगल 04/07/2089	राहु 24/05/2104	गुरु 05/08/2112	शनि 04/11/2121	00/00/0000
राहु 04/07/2092	गुरु 12/03/2105	शनि 06/03/2114	बुध 01/11/2122	00/00/0000
गुरु 05/03/2095	शनि 22/02/2106	बुध 05/08/2115	केतु 30/03/2123	00/00/0000
शनि 05/05/2098	बुध 29/12/2106	केतु 05/03/2116	शुक्र 30/05/2124	00/00/0000
बुध 06/03/2101	केतु 06/05/2107	शुक्र 04/11/2117	सूर्य 04/10/2124	00/00/0000
केतु 06/05/2102	शुक्र 05/05/2108	सूर्य 06/05/2118	चंद्र 06/05/2125	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल राहु 12 वर्ष 5 मा 7 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के द्वितीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुला लग्न के उदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मकर नवमांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। जो आपके लिए विशिष्ट प्रकार का सौभाग्य प्राप्ति का संकेत प्रदान कर रहा है। इसके प्रभाव से आपके जीवन में स्वास्थ्य, आरोग्य, धन एवं वासनात्मक सुखों से युक्त सुसज्जित जीवन का संकेत प्राप्त होता हैं।

आपका संपूर्ण जीवन सुव्यवस्थित एवं आनन्द से परिपूर्ण रूप से व्यतीत होगा। चाहे जो कुछ भी हो आप मात्र इसी संबंध में अन्वेषण करते रहते हो कि सुखी जीवन व्यतीत करने के लिए किस प्रकार क्या कार्य किया जाए-ताकि काफी लाभ हो, तथा आरामदायक जीवन यापन हेतु अन्य लोगों पर अपना प्रभाव डाला जाए। आप धनोपार्जन कर मित्रों की प्रसन्नता एवं भरण-पोषण देखभाल के साथ-साथ अपना वैवाहिक जीवन भी आनन्दपूर्वक व्यतीत करना चाहते हैं।

आप अपनी पत्नी की सभी बातें मानेंगे। आप अपनी पत्नी के साथ संभोगात्मक प्रदर्शन हेतु प्रेम संबंधित वृष्टि करते रहेंगे। आप सदैव दूसरों की दृष्टि के संबंध में कुछ बढ़ा-चढ़ा कर बातें करेंगे। लेकिन आप में नितांत संमोहक गुण विद्यमान है। आप सुंदरता का मूल्यांकन अपनी पसंद से करने में बहुत पसंदीदा व्यक्ति हैं।

आपके आवासीय साज-सज्जा उपयुक्त है ऐसा संदेह है। आप सदैव अच्छी प्रकार सुंदर चीजों को देखना चाहते हैं। आप ऐसा चाहते हैं कि आपका घर अच्छी साज-सज्जाओं से सुसज्जित रहे तथा छोटी-छोटी कलात्मक वस्तुएं घर की शोभा बढ़ाकर विशिष्ट प्रकार से दृश्य हो। यह कोई महत्त्व की बात नहीं कि उन वस्तुओं की कीमत क्या है। आप इन सभी कार्य को करने के लिए समर्थ हैं क्योंकि आप धनी हों आप इन चीजों के मूल्य में किसी प्रकार की कटौती नहीं करना चाहते। आप अपने वैचारिक योजना के अनुरूप अपनी कुशाग्रबुद्धि के अनुसार कार्य को पूर्ववत् करना चाहते हैं। आप एक शिक्षित व्यक्ति की तरह उद्यमपूर्वक अधिक मात्रा में इन वस्तुओं को प्राप्त करना चाहते हैं। मुख्यतः आपके जीवन को 30 वें वर्ष से 35 वें वर्ष के मध्य आपका समय लाभप्रद रहेगा।

आपको विश्वास है कि आपका भविष्य दर्शनीय होगा। अतएव आप ऐसा अनुभव करते हैं कि समन्वित साहसिक प्रयास से घरेलू वातावरण दर्शनीय हो जाएगा। आप अपने पसंदीदा मित्रों की नजरों में अथवा उनके दृष्टिकोण से शक्ति संपन्न दृश्य होना चाहते हैं। यह प्राप्त करना तब ही संभव है कि आप अपने कर्म व्यवसाय का संपादन बिना किसी भी संक्षिप्ता, भय अथवा आशंका की बिन्दु मात्र के ही करे तब ही संभाव्य है।

आप अपने जीवन के आध्यात्मिक पक्ष को बिना अदृश्य किए अर्थात् बिना महत्वहीन किए प्रायः सभी पक्ष से संभाव्य सफलता के लिए चिंतित एवं प्रयत्नशील रहेंगे। आप अपने अतिरिक्त समय में आध्यात्मिक दर्शन के संबंध में शिक्षा प्राप्त कर प्रदर्शित करना चाहते हैं। आप कतिपय परोपकारी कार्य संपादन कर अपने मित्रों एवं भाईयों को सहयोग प्रदान

करेंगे।

आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परंतु इसका अर्थ यह नहीं है कि आप संभाव्य कतिपय रोगादि के प्रति सावधानी नहीं बरतें यथा मूत्र विकार, एकज्मिा, फोड़े फुन्सी। यद्यपि कुछ दिनों का आंशिक रोग है तथापि इन रोगों के प्रति भी सर्तकता बरतनी चाहिए।

कुछ असंभावित रोगों के प्रति घटना क्रमानुसार समय-समय पर रोग परीक्षण एवं समयानुकूल भोजनादि पर ध्यान देना चाहिए।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

यदि आप अपने व्यवहार हेतु अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक का प्रयोग करें, तो यह दिन आपके लिए लाभकारी प्रमाणित होगा। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक किसी भी दशा में अव्यवहृत हैं।

आपके लिए रंग हरा एवं पीला रंग अनुकूल नहीं है। परंतु आपके लिए स्पष्ट रूप से नारंगी, लाल, उजला रंग अत्याधिक लाभप्रदायक रंग है।